रोल नं. | | | | | | | |

Code No. 501/B

SERIES : MT / 7002

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं।*
- *प्रश्न-पत्र का उत्तर लिखने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उन्हें पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र दिया गया है अथवा नहीं। परीक्षा के उपरान्त इस विषय में कोई भी शिकायत,यदि कोई हो, नहीं सुनी जाएगी।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*
- *प्रश्न-पत्र पर परीक्षार्थी अपना रोल नम्बर अवश्य लिखें।*

हिन्दी

(केवल कम्पार्टमेन्ट/ अंक सुधार के परीक्षार्थियों के लिए)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड हैं –'क' और 'ख' । दोनों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(क) भारत के किन दो संघ राज्य-क्षेत्रों में शासन और शिक्षा की भाषा हिन्दी है ? 1

(ख) हिन्दी किस भाषा-परिवार से संबंधित भाषा है ? 1

(ग) पद-व्यवस्था में किन दो स्तरों पर विवेचन करने से भाषा की प्रक्रिया स्पष्ट हो जाती है ? 1

(घ) तमिल किस भाषा-परिवार की भाषा है ? 1

2. कोष्ठक में दिये गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) (i) रथ, क्षमा। (विशेषण बनाइए) 1

(ii) रचयिता, विद्वान। (लिंग बदलिए) 1

(iii) नकुल गया कि नहीं ? (निपात छांटिए) 1

(ख) (i) वृंदा दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

(रेखांकित का पद-परिचय दीजिए) 1

(ii) अनीसा ने पुस्तक खरीदी। (वाच्य परिवर्तन कीजिए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) मन लगा कर पढ़ना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य बनाइए) 1

(ख) गाय घास चर रही थी। (उद्देश्य और विधेय छांटिए) 1

(ग) बेफ़िजूल मत बोला करो। (शुद्ध कीजिए) 1

(घ) मौत से टकराने वाला वह मर नहीं सकता।

(पदबंध का भेद बताइये) 1

4. (i) रूपक अथवा मानवीकरण का उदाहरण लिखिए। 2

(ii) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में अलंकार बताइए :

(क) भजु मन चरण कंवल अविनासी। 1

(ख) वह किसलय के से अंग वाला कहां है ? 1

(ग) यवन को दिया दया का दान। 1

5. आपके नगर में चोरी की घटनाएं बहुत होने लगी हैं। नगर के पुलिस-अधीक्षक को सुरक्षा के समुचित प्रबंध करने के लिए पत्र लिखिए। 4

अथवा

केन्द्र सरकार की ओर से राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय को एक पत्र लिखिए जिसमें राज्य में फैले मलेरिया पर नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया गया हो।

6. प्रत्येक व्यक्ति को परमात्मा ऐसा शुद्ध, पवित्र तथा बलिष्ठ जीवन धारण करने का सामर्थ्य तो दे रहे हैं, पर इस शक्ति का विकास सब में एक समान नहीं होता। हमारे पूर्वजों में एक-एक व्यक्ति आत्मिक बल का धनी होता था। इसका अभाव उस युग की समग्र रीति-नीति पर पड़ता हुआ दिखाई देता था। कारण स्पष्ट है, जहाँ व्यक्ति समर्थ होता है, वहाँ सामाजिक जीवन भी सुगठित और दृढ़ हो जाता है। इसी के फलस्वरूप उस समय भारतीय जनता में विचित्र चुंबक शक्ति का विकास हो रहा था। सारी जाति संपर्क मात्र से दूसरों को अपने रंग में रंग लेती थी। सहस्रों लोग विदेश से आ-आकर हममें क्षीर-नीर-न्याय से एक रूप हो गए। उस समय प्रत्येक व्यक्ति दूसरे को ऊपर उठाने में सहायक होता था, किन्तु कालांतर में आकर विचारों में भेद पैदा हुआ। जाति और कुल का अभिमान बढ़ता-बढ़ता ऊँच और नीच की भेद-भावना का मूल कारण बना। अपने आपको हम सर्वश्रेष्ठ समझ कर दूसरों से परे रहने लगे। प्रभु की लीला बड़ी विचित्र है। जहाँ आत्मिक विस्तार की कोई सीमा नहीं, वहाँ आत्मिक संकोच की भी कोई अवधि नहीं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए। 3

(ख) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) अरुण यह मधुमय देश हमारा

(ख) विद्यार्थी और अनुशासन

(ग) विज्ञापन और हम

(घ) आज की नारी

(ङ) भ्रष्टाचार–कारण और निवारण।

8. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इस बात को लेकर दो राय नहीं हो सकती कि एक सभ्य समाज को बनाने के लिए उसके नागरिकों में दया, करुणा, ईमानदारी, उदारता और सहयोग-भावना जैसे गुणों का विकास होना जरूरी है। इसके विपरीत लालच, ईर्ष्या तथा द्वेष जैसे अवगुण समाज को तोड़ते और गहरे मानवीय रिश्तों को असंभव बनाते जाते हैं इसलिए अगर हम अपने बच्चों के लिए एक सुरक्षित और शिष्ट समाज रचना चाहते हैं तो हमें खुद अपने बच्चों में भी समाज-विरोधी अवगुणों की बजाय समाज-निर्माणी गुणों को उत्पन्न करना होगा। नैतिकता की डोर पर बहुत संभल कर चलना होगा। समाज के लिए सकारात्मक मूल्यों का सदा से ही विशेष महत्व रहा है, पर फिल्मों और टी.वी. पर दिखाई जाने वाली हत्यायें, अकाल, अस्वाभाविक मृत्यु, अपराधी आत्माओं और काले जादू से जुड़ी थोथे कथानक पर आधारित कहानियां बच्चों की कोमल भावनाओं और सकारात्मक ज्ञान को कुंद करती हैं। ऐसे कार्यक्रमों को देखने वाले बच्चे प्रायः वर्जित कामों और विचारों के प्रति अपनी संवेदना खोने लगते हैं।

(क) सभ्य समाज के निर्माण के लिए नागरिकों में कैसे गुणों का विकास आवश्यक है ? 1

(ख) कौन-से अवगुण समाज को तोड़ते हैं ? 1

(ग) बच्चों के लिए शिष्ट समाज की रचना कैसे की जा सकती है ? 1

(घ) बच्चों के सकारात्मक ज्ञान को कुंद करने की जिम्मेदारी किन पर डाली जा सकती है ? 1

खण्ड–ख

9. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।
मूरी के पातनि के बदलैं, को मुक्ताहल दैहै।।
यह ब्यौपार तुम्हारो ऊधौ, ऐसैं ही धर्‌यौ रैहै।
जिन पै तैं लै आए ऊधौ, तिनहिं के पेट समै हैं।।
दाख छाँड़ि कै कटुक निबोरी, को अपने मुख खैहै।
गुन करि मोही सूर सावरैं, को निरगुन निरबै है।।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

(ii) गोपियों ने निर्गुण भक्ति के लिए किन-किन विशेषताओं का प्रयोग किया है ? 2

(iii) गोपियों की दृष्टि में श्रीकृष्ण का प्रेम कैसा है ? 2

(ख) विश्वास करो
यह सबसे बड़ा देवत्व है, कि –
तुम पुरुषार्थ करते मनुष्य हो
और मैं स्वरूप पाती मृत्तिका।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

(ii) मृत्तिका के विचार में सबसे बड़ा देवत्व क्या है ? 2

(iii) मृत्तिका कब तक मानव के सामने विभिन्न रूपों में आती रहेगी और क्यों ? 2

10. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का शिल्प-सौंदर्य और भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

(क) तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी, ह्वै उरबसी-समान।। 5

(ख) आकाश सुख देगा नहीं।
धरती पसीजी है कहीं ?
जिससे हृदय को बल मिले
है ध्येय अपना तो वही। 5

11. तुलसीदास के उन पदों के आधार पर कवि की भक्ति-भावना प्रतिपादित कीजिए जो आपकी पाठ्य-पुस्तक में संकलित हैं। 5

12. (क) अज्ञेय ने 'मैं वहाँ हूँ' नामक कविता के माध्यम से हमें किन कर्तव्यों के प्रति जगाने का प्रयत्न किया है ? 3

(ख) 'प्रतीक्षा' कविता में पौधे के बढ़ने, फूलने-फलने की प्रक्रिया के द्वारा मानव जीवन के विकास के संबंध में क्या संकेत मिलता है ? 2

13. निम्नलिखित अवतरणों का आशय स्पष्ट कीजिए : 4+4

(क) गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके दुःख-सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म-निर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है।

(ख) ईसा की शहादत ने ईसाई धर्म को अमर बना दिया, आप कह लीजिए। किंतु मेरी समझ से ईसाई धर्म को अमर बनाया उन लोगों ने, जिन्होंने उस धर्म के प्रचार में अपने को अनाम उत्सर्ग कर दिया।

14. (क) 'मैं और मेरा देश' पाठ के आधार पर लेखक के इस कथन को सिद्ध कीजिए कि 'मैं और मेरा देश' दो अलग चीज़ तो हैं ही नहीं। 3

(ख) चरे हुए खेत की दशा देखकर मुन्नी और हल्कू पर क्या-क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? 3

15. प्रेमचंद अथवा राम विलास शर्मा का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी दो कृतियों के नाम लिखिए तथा लेखक की साहित्यिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5

16. (क) 'कोटर और कुटीर' में एक-दूसरे में गुंथी हुई दो कहानियां किस प्रकार एक दूसरी की पूरक हैं ? स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) 'मुग़लों ने सल्तनत बख़्श दी' के आधार पर लेखक की व्यंग्य-क्षमता को स्पष्ट कीजिए। 2

17. (क) 'ऋण-शोध' में किसने किसका ऋण चुकाया है और किस प्रकार ? स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) लेखक ने नारायण बाबू और उनके पुत्र को समानांतर सरल रेखाएँ क्यों कहा है ? 3